# K-801

Total Pages : 3 Roll No. .....

# MAJY-508

## ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester, Examination 2023 (Dec.)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 70**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

## ( खण्ड-क )

## ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. प्राचीन वेध परम्परा पर आधुनिक वेध प्रक्रिया के प्रभावों का विवेचन कीजिए।

2. गुप्तकालीन वेधशालाओं की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

3. गोल परिचय व प्रयोजन स्पष्ट करें।

4. प्रमुख यन्त्रों का नाम व उपयोग लिखिए।

5. यन्त्रराज का परिचय प्रदान कर इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ध्रुवस्थान का परिचय देते हुये नाड़ीवृत्त के महत्व पर प्रकाश डालिए।

2. गोलकेन्द्रों का परिचय दीजिए।

3. क्षितिजवृत्त एवं पूर्वापरवृत्त का परिचय देते हुये इसके प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

4. अग्रा, हृति, अन्त्या एवं उदयास्त सूत्रों का परिचय दीजिए।

5. क्षेत्र द्वारा ग्रहकक्षा का लेखन कीजिए।

6. द्युज्या एवं स्पष्टशर का परिचय दीजिए।

7. लग्न, सप्तमलग्न, चतुर्थ एवं दशमलग्नों का परिचय दीजिए।

8. विषुवांश, भुजांश और क्रान्ति का परिचय दीजिए।